बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१९८ वा बुधवार १९ फ़रवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

भारत-क़तर संयुक्त बयान।

क़तर भारत में ८२००० हजार करोड़ निवेश करेगा। शिक्षा क्षेत्र में भारत को बड़ा आमंत्रण।

दिल्ली (संवाददाता)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली में कतर के अमीर, शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और जनसंपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। बैठक के दौरान, भारत और कतर ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने और अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान १४ बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर २८ बिलियन अमेरिकी डॉलर (८२००० हजार करोड़ रुपए)करने का लक्ष्य निर्धारित किया।

इससे पहले दिन में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में कतर के अमीर का स्वागत किया, जहां उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर अपने सम्मान का प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के साथ अपनी बैठक को उत्पादक बताते हुए कहा कि यह विशेष भारत-कतर साझेदारी में एक नया मील का पत्थर है।

कतर के अमीर का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा भारत और कतर के बीच मजबूत मित्रता और सहयोग को पुनः पुष्टि करता है, जो २०२३ में राजनयिक संबंधों की स्थापना की ५०वीं वर्षगांठ मना चुके हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और दोहरे कराधान से बचाव के लिए एक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, अभिलेख प्रबंधन और युवा मामलों एवं खेलों में सहयोग के लिए पांच समझौता ज्ञापनों (चेणी) पर भी हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के साथ अपनी बैठक को उत्पादक बताते हुए कहा कि यह विशेष भारत-कतर साझेदारी में एक नया मील का पत्थर है।

कतर के अमीर का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा भारत और कतर के बीच मजबूत मित्रता और सहयोग को पुनः पुष्टि करता है, जो २०२३ में राजनयिक संबंधों की स्थापना की ५०वीं वर्षगांठ मना चुके हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और दोहरे कराधान से बचाव के लिए एक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, अभिलेख प्रबंधन और युवा मामलों एवं खेलों में सहयोग के लिए पांच समझौता ज्ञापनों (चेणी) पर भी हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के साथ अपनी बैठक को उत्पादक बताते हुए कहा कि यह विशेष भारत-कतर साझेदारी में एक नया मील का पत्थर है।

कतर के अमीर का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा भारत और कतर के बीच मजबूत मित्रता और सहयोग को पुनः पुष्टि करता है, जो २०२३ में राजनयिक संबंधों की स्थापना की ५०वीं वर्षगांठ मना चुके हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और दोहरे कराधान से बचाव के लिए एक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, अभिलेख प्रबंधन और युवा मामलों एवं खेलों में सहयोग के लिए पांच समझौता ज्ञापनों (चेणी) पर भी हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के साथ अपनी बैठक को उत्पादक बताते हुए कहा कि यह विशेष भारत-कतर साझेदारी में एक नया मील का पत्थर है।

कतर के अमीर का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा भारत और कतर के बीच मजबूत मित्रता और सहयोग को पुनः पुष्टि करता है, जो २०२३ में राजनयिक संबंधों की स्थापना की ५०वीं वर्षगांठ मना चुके हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और दोहरे कराधान से बचाव के लिए एक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर

सब शिवप्रेमीयोंको शिवजयंतीकी शुभेच्छा !

छठे राज्य वित्त आयोग की स्थापना को मंजूरी

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई: छठे राज्य वित्त आयोग की स्थापना को आज हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी गई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। यह आयोग १ अप्रैल २०२६ से ३१ मार्च २०३१ तक की अवधि के लिए सिफारिशें देगा। इन सिफारिशों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि ३१ दिसंबर २०२५ तय की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री को आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के नाम की सिफारिश राज्यपाल को भेजने का अधिकार देने को भी मंजूरी दी गई। आयोग के सदस्य सचिव के पद पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के जूनियर प्रशासनिक ग्रेड या उससे उच्च श्रेणी के अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

सुप्रिया सुले के सामने मुंडे परिवार के आंसू छलके!

परली वैजनाथ (प्रतिनिधि): परली के बैंक कॉलोनी क्षेत्र में रहने वाले पिग्मी एजेंट महादेव दत्तात्रय मुंडे की निर्मम हत्या को १६ महीने हो चुके हैं, लेकिन अब तक पुलिस को आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला है। उनके हत्या के पीछे का कारण भी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

इसी बीच, आज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने परली पहुंचकर महादेव मुंडे के परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान महादेव मुंडे की पत्नी ज्ञानेश्वरी मुंडे अपने दर्द को रोक नहीं सकीं और उनके आंसू छलक पड़े।

इस मौके पर सांसद बजरंग सोनवणे, विधायक जितेंद्र आव्हाड, विधायक संदीप क्षीरसागर और राष्ट्रवादी कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मेरे पति की किसी से दुश्मनी नहीं थी, फिर उनकी हत्या क्यों हुई? महादेव मुंडे की पत्नी ज्ञानेश्वरी मुंडे ने सांसद सुप्रिया सुले के सामने अपनी व्यथा रखी और कहा कि पुलिस अभी तक यह भी नहीं बता पाई कि

हत्या किसने की और क्यों की।

उन्होंने पुलिस की निष्क्रियता पर नाराजगी जताते हुए कहा कि १५ महीने बीत जाने के बाद भी जांच में कोई प्रगति नहीं हुई। सुप्रिया सुले ने पुलिस अधीक्षक से की बात

इसके बाद सांसद सुप्रिया सुले ने बीड़ के पुलिस अधीक्षक (डझ) नवनीत कॉवत से फोन पर बात की और मामले की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से जल्द से जल्द हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की और कहा कि मुंडे परिवार को समय-समय पर जांच की जानकारी दी जाए। इस पर पुलिस अधीक्षक नवनीत कॉवत ने आश्वासन दिया कि वह स्वयं मुंडे परिवार को जांच की जानकारी देंगे।

क्या है पूरा मामला? महादेव मुंडे की हत्या के संबंध में परली शहर पुलिस थाने में २२ अक्टूबर २०२३ को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था। हत्या के बाद पुलिस ने जांच शुरू की, लेकिन १५ महीने बीत जाने के बावजूद कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी। विधायक सुरेश धस ने भी पुलिस प्रशासन से इस मामले में कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद महादेव मुंडे की पत्नी ज्ञानेश्वरी मुंडे ने बीड़ के नए जिला पुलिस अधीक्षक नवनीत कॉवत से न्याय की गुहार लगाई। इस मामले के पुनः चर्चा में आने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक ने जांच को परली पुलिस से हटाकर अंबाजोगाई के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (उड्झ) अनिल चोरमले को सौंप दिया। विशेष पुलिस दल कर रहा है जांच महादेव मुंडे हत्या मामले की जांच के लिए उड्झ अनिल चोरमले के मार्गदर्शन में एक विशेष पुलिस टीम बनाई गई है। इस टीम में पुलिस कल्याण विभाग के इंस्पेक्टर साबळे और डउइ (लोकल क्राइम ब्रांच) के हवलदार शामिल हैं।

आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस परली में डेरा डाले हुए है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पत्नी का अल्टीमेटम: जल्द गिरफ्तारी नहीं तो अनशन महादेव मुंडे की पत्नी ज्ञानेश्वरी मुंडे ने स्पष्ट किया है कि अगर मंगलवार तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वह अनशन पर बैठेंगी। हत्या के १६ महीने बाद भी न्याय न मिलने से मुंडे परिवार में गहरा आक्रोश है और अब परिवार न्याय की गुहार लगाते हुए आंदोलन की तैयारी में है।

आगामी बजट सत्र में डांस बार को लेकर फिर आएगा नया कानून!

कैबिनेट बैठक में डांस बार पर चर्चा, क्या फिर गूंजेगी रक़्स व गनों की छन-छन?

मुंबई, १८ फरवरी (अजीज एजाज): मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में डांस बार एक विवादित मुद्दा रहा है। इस संबंध में आज राज्य कैबिनेट की बैठक में एक बार फिर नया कानून पेश करने को लेकर चर्चा हुई।

सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट बैठक में मौजूदा डांस बार कानूनों पर विस्तृत चर्चा की गई और अंत में यह निर्णय लिया गया कि आगामी बजट सत्र में इस विषय पर नया कानून पेश किया जाएगा।

२००५ से अब तक कई बदलाव, सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामला

गौरतलब है कि २००५ में तत्कालीन गृह मंत्री आर. आर. पाटिल ने डांस बारों पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगाया था कि ये युवा पीढ़ी पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं और आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस प्रतिबंध को असंवैधानिक करार दिया, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। २०१५ में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को सख्त शर्तों के साथ डांस बार फिर से खोलने की अनुमति दी। इसके बाद सरकार ने नए दिशा-निर्देश जारी किए, जिनमें उउढत कैमरे लगाने, ग्राहकों और डांसर्स के बीच दूरी बनाए रखने और डांस बार में अनैतिक गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध लगाने जैसे प्रावधान शामिल किए गए।

२०१६ में सरकार ने महाराष्ट्र प्रोहेबिशन ऑफ ओबसीन डांस एक्ट, २०१६' लागू किया, जिसमें होटलों, रेस्टोरेंट और बार रूम्स में अश्लील नृत्य पर प्रतिबंध और महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए नए नियम जोड़े गए। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने २०१६ के कानून में संशोधन करते हुए इसके कई कठोर नियमों को रद्द कर दिया, कोर्ट ने कहा कि अच्छे चरित्र' की परिभाषा अस्पष्ट है और बार में उउढत कैमरे लगाने से गोपनीयता का उल्लंघन होता है। अब फिर नए कानून की तैयारी! अब सरकार डांस बार को लेकर एक बार फिर नया कानून लाने की तैयारी में है। आगामी बजट सत्र में इस पर चर्चा होगी और नए प्रावधान पेश किए जा सकते हैं।

क्या महाराष्ट्र में डांस बार को लेकर फिर सख्त नियम लागू होंगे या कोई नया समाधान निकलेगा? यह आगामी बजट सत्र के फैसलों पर निर्भर करेगा।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

महाराज को जातीय गठबंधन में समेटने की राजनीति

बिगड़ती राजनीति और जातीय उत्सवों का खेल

भागवत थावरे

आज मराठा समाज का उत्सव है, लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि महाराज सिर्फ मराठा समाज के हैं और किसी और के नहीं? या फिर ऐसा क्यों हुआ कि पिछले दो वर्षों में अठारह पगड़ीवाले जातीय बंधन दो हिस्सों में बंट गए?

किस तरह सामाजिक एकता की मजबूत दीवारें धीरे-धीरे ध्वस्त होती जा रही हैं? क्या हमने यह नहीं देखा कि स्वराज्य की सलोखा एकोपा (सामाजिक एकता) भी मात्र दो सालों में दो ध्रुवों में बंट गई?

आज की जयंती का उत्सव, केवल मराठा समाज के जोश और बाकी समाज की उदासीनता के बीच के अंतर को दर्शाने का काम करेगा। इतिहास के पन्नों में दर्ज सात बारा (भूस्वामित्व का रजिस्टर) आज की राजनीति में जातियों के अनुसार बंट चुका है।

महाराज अब जातीय पहचान का हिस्सा बन चुके हैं -

फुले माली समाज के महात्मा फुले, पिछड़े वर्गों के बाबासाहेब अंबेडकर, लोकशाहीर मातंग समाज के महात्मा, संतों और महान विभूतियों को हमने जातीय बंधनों में बांध दिया। अगर कोई राजनीतिक मंच पर खड़े होकर महाराज के विचारों पर भाषण देता है, तो केवल इतना देखने की जरूरत होती है कि उसके पीछे लगी तस्वीरों में कौन-कौन से चेहरे मौजूद हैं और वे किस जाति के हैं। जाति मिटाने वाले महापुरुषों को जाति में बांटने की राजनीति जो महापुरुष जातिवाद खत्म करने के लिए संघर्ष करते रहे, हमने उन्हें ही जाति की जंजीरों में जकड़ दिया। राजनीति ने जातीय गणित के माध्यम से वोटों को जोड़ने और विभाजित करने की कला विकसित कर ली है। आज जाति के बिचौलिए (दलाल), वोटों की गठरी बांधने और चुनावी नतीजे तय करने के लिए नियुक्त किए गए हैं। मीडिया और सत्ता ने उन्हें पोषित किया है, और जातिवाद की जड़ें इतनी मजबूत कर दी हैं कि सामाजिक प्रगति कमजोर पड़ गई है। आज राजनीतिक नैतिकता के अभाव में, उन्हीं महान विभूतियों की विरासत को दफन किया जा रहा है, जिन्होंने समानता और न्याय के लिए लड़ाई लड़ी थी। क्या महाराज अब सिर्फ मराठा समाज के लिए रह गए हैं?

हर जाति में आपको छत्रपति शिवाजी महाराज नाम के लोग मिल जाएंगे। लेकिन क्या कोई एक परिवार ऐसा मिलेगा, जिसने हाल के २० वर्षों में अपने नवजात का नाम शिवाजी रखा हो? अगर नहीं, तो फिर हम खुद को शिवप्रेमी क्यों कहते हैं? क्या हम पाखंडी और दोगले नहीं हैं? जो नेता १९ फरवरी को जन्मतिथि पर भीड़ जुटाने के लिए पैसा लगाते हैं, क्या वही सच्चे शिवप्रेमी हैं? या फिर जो लोग महाराज के विचारों को पूरे साल अपने जीवन में उतारते हैं, वे असली शिवभक्त हैं? आज देख लीजिए, आप सलामी देंगे, लेकिन मराठा समाज घर-घर उत्सव में सक्रिय दिखेगा। क्या मराठा नहीं दिखेंगे, लेकिन बाकी समाज को अलग रखना भी गलत है। जातीय राजनीति का शिकार हुए सभी महापुरुष जो कुछ बाबासाहेब अंबेडकर के साथ हुआ, वही अब अन्य महापुरुषों के साथ भी हो रहा है। महाराज भी अब इस जातीय चक्र में फंस गए हैं। अगर मराठा समाज की वोटें हैं, तो महाराज की जयंती बड़े पैमाने पर मनाई जाएगी। लेकिन अगर बाबासाहेब की जयंती हो, तो इसे केवल पिछड़े वर्गों की राजनीति से जोड़ दिया जाता है। आज महापुरुषों की जयंती का बजट भी जातीय वोटों की संख्या तय करती है। अब शेवालाल महाराज की जयंती भी आने वाली है, लेकिन अगर केवल लमाण समाज इसे मनाएगा, तो बाकी नेताओं को इसकी परवाह नहीं होगी। जातिवाद का गर्व और हमारी हार हम एक प्रगतिशील महाराष्ट्र में जातीय गर्व के नशे में डूबे हुए हैं। क्या हम इस सच्चाई को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? क्या अब जयंती सिर्फ दिखावे का आयोजन बन गई है? अब यह शोभायात्रा का आयोजन मात्र लगने लगा है। हमने आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक स्वार्थों के लिए महापुरुषों की जयंती को एक व्यापार बना दिया है। दुर्भाग्य से, हम सोच से दूर हो गए हैं...

भारत क़तर इतिहास के आईने में।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली में कतर के अमीर, शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और जनसंपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। बैठक के दौरान, भारत और कतर ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने और अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान १४ बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर २८ बिलियन अमेरिकी डॉलर (८२००० हजार करोड़ रुपए)करने का लक्ष्य निर्धारित किया।

इससे पहले दिन में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में कतर के अमीर का स्वागत किया, जहां उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर अपने सम्मान का प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के साथ अपनी बैठक को उत्पादक बताते हुए कहा कि यह विशेष भारत-कतर साझेदारी में एक नया मील का पत्थर है।

कतर के अमीर का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा भारत और कतर के बीच मजबूत मित्रता और सहयोग को पुनः पुष्टि करता है, जो २०२३ में राजनयिक संबंधों की स्थापना की ५०वीं वर्षगांठ मना चुके हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और दोहरे कराधान से बचाव के लिए एक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, अभिलेख प्रबंधन और युवा मामलों एवं खेलों में सहयोग के लिए पांच समझौता ज्ञापनों (चेणी) पर भी हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के साथ अपनी बैठक को उत्पादक बताते हुए कहा कि यह विशेष भारत-कतर साझेदारी में एक नया मील का पत्थर है।

कतर के अमीर का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा भारत और कतर के बीच मजबूत मित्रता और सहयोग को पुनः पुष्टि करता है, जो २०२३ में राजनयिक संबंधों की स्थापना की ५०वीं वर्षगांठ मना चुके हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और दोहरे कराधान से बचाव के लिए एक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, अभिलेख प्रबंधन और युवा मामलों एवं खेलों में सहयोग के लिए पांच समझौता ज्ञापनों (चेणी) पर भी हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के साथ अपनी बैठक को उत्पादक बताते हुए कहा कि यह विशेष भारत-कतर साझेदारी में एक नया मील का पत्थर है।

कतर के अमीर का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा भारत और कतर के बीच मजबूत मित्रता और सहयोग को पुनः पुष्टि करता है, जो २०२३ में राजनयिक संबंधों की स्थापना की ५०वीं वर्षगांठ मना चुके हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और दोहरे कराधान से बचाव के लिए एक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, अभिलेख प्रबंधन और युवा मामलों एवं खेलों में सहयोग के लिए पांच समझौता ज्ञापनों (चेणी) पर भी हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के साथ अपनी बैठक को उत्पादक बताते हुए कहा कि यह विशेष भारत-कतर साझेदारी में एक नया मील का पत्थर है।

कतर के अमीर का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा भारत और कतर के बीच मजबूत मित्रता और सहयोग को पुनः पुष्टि करता है, जो २०२३ में राजनयिक संबंधों की स्थापना की ५०वीं वर्षगांठ मना चुके हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और दोहरे कराधान से बचाव के लिए एक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, अभिलेख प्रबंधन और युवा मामलों एवं खेलों में सहयोग के लिए पांच समझौता ज्ञापनों (चेणी) पर भी हस्ताक्षर किए गए।

रयते का राजा कौन? अगर यह सवाल उठे तो छत्रपति शिवाजी महाराज के अलावा कोई और नाम सामने नहीं आता। उन्होंने एक आदर्श राजा कैसा होना चाहिए, इसका उदाहरण प्रस्तुत किया। आज १९ फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है।

सर्वगुण संपन्न छत्रपति शिवाजी महाराज: एक महान योद्धा और आदर्श राजा

कठिनाइयों से लड़कर स्वराज्य की स्थापना छत्रपति शिवाजी महाराज को स्वराज्य स्थापित करने में अनगिनत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हर कदम पर उन्हें शत्रुओं से चुनौतियां मिलीं, लेकिन वे कभी निराश नहीं हुए। जिद, चतुराई और कुशाग्र बुद्धि से उन्होंने हर मुश्किल को पार किया। असंभव को संभव बना कर उन्होंने स्वतंत्र हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की। आगरा किले से उनकी साहसिक बच निकलने की योजना उनकी रणनीतिक बुद्धिमत्ता का सर्वोत्तम उदाहरण है। संगठन शक्ति और दूरदृष्टि शिवाजी महाराज की कार्य प्रणाली बेहद सुनियोजित थी। वे युद्ध में जीतने के लिए गुप्तचर प्रणाली, रणनीतिक योजनाएं और गनिमी कावा (छापामार युद्ध नीति) का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने सैनिकों को पदनाम देकर सम्मानित किया, जिससे उनकी सेना का मनोबल हमेशा ऊंचा रहा। उन्होंने जाति-धर्म से परे जाकर हर व्यक्ति को समानता और सम्मान दिया। उनके सैनिक मात्र स्वामीभक्ति से प्रेरित होकर उनके एक शब्द पर जान देने के लिए तैयार रहते थे। शिवाजी महाराज का सादगी भरा जीवन शिवाजी महाराज का जीवन सादगी और अनुशासन का प्रतीक था। उन्होंने लग्जरी महलों की बजाय साधारण तंबू में रहना पसंद किया। वे संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति को प्रोत्साहित करते और उनमें ऊर्जा भरते थे। उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और नेतृत्व क्षमता ने उन्हें एक महान राजा बनाया। रक्षा और सैन्य ताकत उन्होंने कई अजेय किलों का निर्माण और विजय प्राप्त की। उनके पास ४०० से अधिक दुर्ग और किले थे, जो स्वराज्य की सुरक्षा का आधार थे। उन्होंने 'विटा' नामक एक विशेष हथियार विकसित किया, जो एक बार-बार इस्तेमाल किया जाने वाला भाला था। पावन खिंड का युद्ध उनके सैनिकों की वीरता का प्रमाण है, जहां महज ३०० सैनिकों ने हजारों दुश्मनों से युद्ध किया।

गनिमी कावा: शिवाजी महाराज की युद्धनीति

छत्रपति शिवाजी महाराज गनिमी कावा (छापामार युद्ध) के विशेषज्ञ थे। छोटी सेना के साथ भी उन्होंने बड़ी सेनाओं को मात दी। उन्होंने मुगलों, आदिलशाही और अन्य शत्रुओं के खिलाफ कई युद्ध जीते।

शिव जयंती का वैश्विक उत्सव

आज, १९ फरवरी २०२५ को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती विश्वभर में बड़े ही उत्साह, अभिमान और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है।

प्रा.धनवंत नानासाहेब मस्के

मराठा तितुका मेळवावा, महाराष्ट्र धर्म वाढवावा

यह विचार आज भी हर शिवभक्त के मन में है। आज हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों पर चलें और उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें।

शिव जयंती के अवसर पर समस्त शिवभक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं!

जय जिजाऊ, जय शिवराय!

कुंभ के शोर से दूर फिरोज़ गांधी की कब्र का सन्नाटा

विवेक शुक्ला

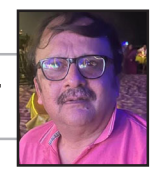

प्रयागराज: महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगाने वालों के कारण भले ही यहां सब तरफ़ अनगिनत लोग आ जा रहे हैं, पर ममफोर्ड गंज में आबकारी दफ्तर से कुछ आगे पारसी कब्रिस्तान में सन्नाटा पसरा हुआ है। सोमवार को वक्त होगा दिन के सवा १२ बजे का। कब्रिस्तान के गेट पर एक बोर्ड पर लिखा पारसी ग्रेवेयर्ड । गेट पर राजा मिलते हैं। बताते हैं , मैं यहां का माली और केयरटेकर हूं। चार पीढ़ियों से हम लोग ग्रेवेयर्ड को देख रहे हैं। इधर फिरोज गांधी की कब्र भी है। हमें उसे देखना है।

मिटते शब्दों को पढ़ना

राजा हमें फिरोज गांधी की कब्र की तरफ लेकर चलते हैं। कब्रिस्तान के एक कोने की कब्र में चिर निंद्रा में हैं फिरोज गांधी । उनकी कब्र पर लिखे शब्द मिट रहे हैं। उन्हें पढ़ना कठिन है। उनका नाम लिखा है फिरोज जहांगीर गांधी। जन्म और मृत्यु की तारीखें भी लिखी हैं । एक कविता भी लिखी है। कुछ गुजराती में भी लिखा है । पर वक्त ने इन्हें बीच बीच से मिटा दिया है। कब्र संगमरमर की है।

राजा कहते हैं, यहां कभी कभार कुछ पारसी लोग मुंबई से आते हैं। क्या राजीव गांधी या संजय गांधी के परिवारों से कभी कोई आया? राजा कहते हैं, भैया, हमारी जानकारी में नहीं है। हमारे सामने तो नहीं आया।

कब हुई थी शादी इंदिरा गांधी से

फिरोज गांधी और इंदिरा गांधी का विवाह २६ मार्च, १९४२ को इसी प्रयाग (पहले इलाहाबाद) में नेहरू जी के घर आनंद भवन में हुआ था। फिरोज गांधी का ८ अगस्त १९६० को राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल (पहले विलिंग्डन अस्पताल) में निधन हो गया था। वे तब ४८ साल के थे। फिरोज गांधी विलिंग्डन अस्पताल में तबीयत बिगड़ने के बाद खुद ही ७ सितंबर, १९६० को अपनी फिएट कार चलाकर पहुंचे थे। कहते हैं कि उन्होंने अस्पताल के अपने निजी चिकित्सक डॉ. एच.एस खोसला को फोन करके अपनी खराब तबीयत की जानकारी दी। डॉ. खोसला ने उन्हें फौरन अस्पताल आने के लिए कहा था। उसी दिन, उनकी पत्नी इंदिरा गांधी केरल से वापस दिल्ली आने के बाद सीधे अस्पताल पहुंची। फिरोज गांधी का अगले दिन सुबह पौने आठ बजे निधन हो गया।

फिरोज़ गांधी की शव यात्रा

फिरोज गांधी की शवयात्रा प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के सरकारी आवास तीन मूर्ति से ही निकली थी। अंतिम संस्कार निगम बोध घाट में हुआ। फिर उनकी अस्थियां इस कब्रिस्तान में लाई गईं।पारसी कब्रिस्तान में करीब १०० कब्रें हैं। अब तक राजा के मित्र लल्लू सिंह भी हमारे पास आ गए थे। वे बताने लगे कि अब प्रयाग में शायद ही कोई पारसी परिवार बचा हो। कुछ साल पहले तक सिविल लाइंस में कुछ परिवार रहते थे। अब इस पारसी कब्रिस्तान को मुंबई के कुछ पारसी देखते हैं।

राजा को सिर्फ २५०० हज़ार सैलरी मिलती है। पर उसे कब्रिस्तान के साथ ही बहुत बड़ा सा रहने को घर मिला हुआ है। राजा कहते हैं कि यहां के कामकाज को देखने के अलावा वे सब्जी भी बेचते हैं। कहां रहते थे फिरोज गांधी दिल्ली में फिरोज गांधी के गांधी-नेहरू खानदान से संबंधों से सारा देश वाकिफ है। वे १९५२ और फिर १९५७ का लोकसभा का चुनाव राय बरेली से जीते। फिरोज़ गांधी को सांसद के रूप में राजधानी में वहीं सरकारी आवास मिला जहां आजकल दिल्ली प्रेस क्लब आबाद है। इसका पता है १, रायसीना रोड।

विवेक शुक्ला १८ फरवरी २०२५

जालना के खरपूड़ी प्रोजेक्ट में दलालों के आर्थिक हितों को साधने का प्रयास

अंबादास दानवे का आरोप

विशेष प्रतिनिधि
मुंबई:

जालना जिले के खरपूड़ी में एक नए प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय जनता के तीव्र विरोध के बावजूद, संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कुछ व्यवसायियों और दलालों के आर्थिक हितों को साधने के लिए इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। यह गंभीर आरोप विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने लगाया है।

महायुति सरकार ने खरपूड़ी में एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने का निर्णय लिया है। इस संदर्भ में पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रशासनिक और वित्तीय स्तरों पर कई निर्णय लिए गए हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की व्यवहार्यता को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।

२०१८ में प्रस्तावित प्रोजेक्ट को २०२० में अव्यवहारिक बताया गया था

इस प्रोजेक्ट की संकल्पना २०१८ में सिडको (उखऊज) द्वारा प्रस्तुत की गई थी। इसके बाद प्रोजेक्ट की व्यवहार्यता की जांच के लिए एीपीीं धींपस नामक अंतरराष्ट्रीय संस्था को नियुक्त किया गया। १० जनवरी २०२० को प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में इस प्रोजेक्ट को आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताया गया। इस रिपोर्ट के आधार पर ९ जुलाई २०२० को सरकार ने इस प्रोजेक्ट को रद्द करने का निर्णय लिया। लेकिन २०२२ और २०२३ में उखऊज और सरकार द्वारा इस प्रोजेक्ट की समीक्षा फिर से शुरू की गई। इसके बाद घझचक्र की नई रिपोर्ट के आधार पर पिछले साल इस प्रोजेक्ट को अंतिम मंजूरी दे दी गई। पुराना रिपोर्ट अव्यवहारिक, नया रिपोर्ट व्यवहारिक - सरकार पर सवाल

अंबादास दानवे ने सवाल उठाते हुए कहा, जब २०२० में यह प्रोजेक्ट अव्यवहारिक था, तो कुछ वर्षों बाद अचानक यह व्यवहारिक कैसे हो गया? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को नई और पुरानी रिपोर्ट के बीच का अंतर पारदर्शी तरीके से स्पष्ट करना चाहिए, लेकिन इसे जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। प्रोजेक्ट से पहले ही कुछ व्यापारियों को जानकारी लीक करने का आरोप दानवे ने यह भी आरोप लगाया कि, इस प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले ही कुछ व्यवसायियों को संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ आर्थिक संबंधों के कारण इसकी पूरी जानकारी दी गई। इसी जानकारी के आधार पर उन व्यापारियों ने स्थानीय किसानों से सस्ते दामों पर जमीन खरीद ली। अब जब सरकार इस प्रोजेक्ट को लागू कर रही है, तो उन जमीनों की कीमत कई गुना बढ़ गई है। इससे दलालों और बड़े व्यावसायिक समूहों को आर्थिक लाभ मिलेगा, जबकि मूल जमीन मालिक और किसान वर्ग इससे वंचित रह जाएंगे। प्रोजेक्ट की मंजूरी प्रक्रिया भी संदेहास्पद दानवे ने कहा कि जिस तरीके से इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है, वह पूरी प्रक्रिया भी संदेहास्पद है। उन्होंने मांग की कि सरकार को इस पूरे मामले की पारदर्शी जांच करनी चाहिए।

जीतेंद्र आव्हाड को बड़ा झटका, अभीजित पवार और हेमंत वानी ने एनसीपी का थामा दामन

ठाणे और मुंब्रा के सैकड़ों कार्यकर्ता भी एनसीपी में शामिल

मुंबई: एनसीपी (शरद पवार गुट) के दो प्रमुख नेता अभीजित पवार और हेमंत वानी ने मंगलवार को अजित पवार की मौजूदगी में एनसीपी (अजित पवार गुट) में प्रवेश किया। इसके साथ ही कांग्रेस के चंद्रकांत दायमा सहित ठाणे और मुंब्रा के सैकड़ों कार्यकर्ता भी एनसीपी में शामिल हो गए।

गौरतलब है कि अभीजित पवार और हेमंत वानी, एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जीतेंद्र आव्हाड के करीबी माने जाते थे। ऐसे में यह घटना आव्हाड के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका मानी जा रही है।

अजित पवार ने बिना नाम लिए जीतेंद्र आव्हाड पर साधा निशाना

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बिना नाम लिए जीतेंद्र आव्हाड पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा,

जब अभीजित पवार पार्टी में आ रहे थे, तो कुछ लोगों के फोन आ रहे थे कि आप कहां हैं? हम बैठकर कोई रास्ता निकालेंगे। मगर अब रास्ता कब निकालेंगे? पहले क्या गोटियां खेल रहे थे?

उन्होंने आगे कहा,

ठाणे जिले में कई बड़े नेता एनसीपी के साथ थे, लेकिन एक व्यक्ति की वजह से उन्होंने पार्टी छोड़ दी। तब लोगों को समझना चाहिए था कि किसी एक व्यक्ति की गलतियों से पूरी पार्टी को नुकसान हो सकता है।

जानबूझकर की गई गलतियों को माफ नहीं किया जाएगा - अजित पवार

अजित पवार ने कहा,

हर इंसान से गलती होती है, लेकिन अगर कोई जानबूझकर गलती करता है, तो उसके साथ कोई नहीं रहता।

उन्होंने पार्टी में शामिल नए नेताओं का स्वागत करते हुए कहा,

एनसीपी सभी समाजों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और यही हमारी सफलता का कारण है। जो भी पार्टी में शामिल हो रहे हैं, उन्हें पूरा सम्मान मिलेगा, साथ ही पुराने कार्यकर्ताओं का भी पूरा आदर किया जाएगा।

लाडकी बहिन योजना कभी बंद नहीं होगी

अजित पवार ने राज्य सरकार की 'लाडकी बहिन योजना' पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह योजना कभी बंद नहीं होगी और सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इसका लाभ उन्हीं को मिले, जिनके लिए यह योजना बनाई गई है।

आव्हाड को बड़ा झटका, उनके करीबी नेता ने छोड़ा साथ

एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जीतेंद्र आव्हाड के खास सहयोगी और उनके राजनीतिक मामलों को संभालने वाले अभीजित पवार और हेमंत वानी ने एनसीपी (अजित पवार गुट) में शामिल होकर बड़ा सियासी उलटफेर कर दिया।

एनसीपी के बड़े नेता रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में एनसीपी के कोषाध्यक्ष और विधायक शिवाजीराव गिर्जे, मुख्य प्रवक्ता और ठाणे जिला अध्यक्ष आनंद परांजपे, प्रदेश महासचिव नजीब मुल्ला, युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष सूरज चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष सलीम सारंग, सह-कोषाध्यक्ष संजय बोरगे सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

क्या यह ठाणे की राजनीति में बदलाव का संकेत है? अभीजित पवार और हेमंत वानी का पार्टी बदलना ठाणे और मुंब्रा की राजनीति में एक बड़ा बदलाव ला सकता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इससे जीतेंद्र आव्हाड की स्थिति कमजोर हो सकती है और आगामी चुनावों में एनसीपी (अजित पवार गुट) को इसका फायदा मिल सकता है।

नशा विरोधी टास्क फोर्स के लिए ३६४ पदों की भर्ती को मंजूरी

मुंबई, १८ फरवरी (विशेष प्रतिनिधि):

राज्य सरकार ने महाराष्ट्र में नशे के खिलाफ एक विशेष टास्क फोर्स बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस टास्क फोर्स के लिए ३४६ नए पदों की भर्ती और आवश्यक बजट को भी स्वीकृति दी गई।

भर्ती प्रक्रिया और पदों का विवरण

३१ अगस्त २०२३ के सरकारी आदेश के अनुसार, कुल ३१० पद नियमित रूप से और ३६ पद बाहरी एजेंसियों के माध्यम से भरे जाएंगे।

नियमित पदों में शामिल होंगे:

विशेष पुलिस महानिरीक्षक - १, पुलिस उपमहानिरीक्षक - १, पुलिस अधीक्षक - ३, अपर पुलिस अधीक्षक - ३, पुलिस निरीक्षक - १५, सहायक पुलिस निरीक्षक - १५, पुलिस उपनिरीक्षक - २०, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक - ३५, पुलिस हवलदार - ४८, पुलिस सिपाही - ८३, चालक हवलदार - १८, कार्यालय अधीक्षक - १, वरिष्ठ लिपिक - ११,

बाहरी एजेंसियों से भरे जाने वाले पद: वैज्ञानिक सहायक - ३, विधि अधिकारी - ३, कार्यालय सहाय्यक - १८, सफाई कर्मचारी - १२,

आवश्यक बजट को भी मंजूरी

नियमित खर्च के लिए १९.२२ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। वाहन खरीद और अन्य अनियमित खर्चों के लिए ३.१२ करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

सरकार के इस फैसले से राज्य में नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में मदद मिलेगी और अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

परली में राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा स्वराज्य सप्ताह का आयोजन

मंत्री धनंजय मुंडे की संकल्पना के तहत होगा कार्यक्रम

परली वैजनाथ, १८ फरवरी (प्रतिनिधि):

महाराष्ट्र के अन्न, नागरी आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री धनंजय मुंडे की संकल्पना के तहत परली वैजनाथ शहर में इस वर्ष भी हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

१९ से २७ फरवरी तक होगा स्वराज्य सप्ताह का आयोजन

शिवजयंती समारोह १९ फरवरी को सुबह १० बजे छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, परली में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष एडवोकेट राजेश्वर चव्हाण, युवा नेता अजय मुंडे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

धनंजय मुंडे की संकल्पना के तहत इस वर्ष भी शिवाजी महाराज चौक पर शिवकालीन महाद्वार की प्रतिकृति, विशेष प्रकाश व्यवस्था और सेल्फी पॉइंट तैयार किया गया है।

विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

१९ फरवरी (शिवजयंती) से लेकर २७ फरवरी (राष्ट्रीय संत गाडगे बाबा जयंती) तक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी द्वारा कई समाजोपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें शामिल हैं:

मराठी भाषा दिवस

स्वच्छता अभियान

विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

शिव प्रेमियों से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील

शिवजयंती समारोह के अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और शिव प्रेमी नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

इस संबंध में तालुका अध्यक्ष वैजनाथ सोळंके और शहर अध्यक्ष बाजीराव धर्माधिकारी ने सभी नागरिकों से इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने का आग्रह किया है।

म्हैसाळ उपसा सिंचन योजना के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के लिए १,५९४ करोड़ रुपये मंजूर

मंत्रिमंडल का निर्णय

मुंबई, १८ फरवरी (विशेष प्रतिनिधि):

महाराष्ट्र सरकार ने कृष्णा-कोयना उपसा सिंचन योजना के तहत म्हैसाळ उपसा सिंचन योजना के लिए सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित करने और योजना की ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए १,५९४ करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। यह निर्णय मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया।

परियोजना से किसानों को होगा लाभ

इस परियोजना से हर साल करीब ३९८ मिलियन यूनिट बिजली की आवश्यकता पूरी होगी। कृष्णा-कोयना उपसा सिंचन परियोजना के तहत ताकारी और म्हैसाळ दो अलग-अलग सिंचाई योजनाएं शामिल हैं।

परियोजना के तहत:

कृष्णा नदी से २३.४४ अघफू पानी उठाया जाएगा।

यह पानी सांगली जिले के मिरज, कवठे महांकाल, तासगांव, जत और सोलापुर जिले के सांगोला व मंगळवेढा तालुकों में १,०८,१९७ हेक्टेयर सूखा प्रभावित भूमि की सिंचाई के लिए उपलब्ध होगा।

सौर ऊर्जा के उपयोग से परियोजना की बिजली लागत में काफी बचत होगी।

राज्य सरकार और जर्मन बैंक के बीच हुआ त्रिपक्षीय समझौता

परियोजना के लिए वित्त पोषण हेतु महाराष्ट्र सरकार ने केएफडब्ल्यू (घत्रश्र) जर्मन बैंक से १३० मिलियन यूरो (लगभग १,१२० करोड़ रुपये) का ऋण लिया है।

राज्य सरकार ४७४ करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

इस परियोजना में १०८ में से ६५ पंप ऊर्जा कुशल तकनीक के होंगे।

२०० मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित किया जाएगा।

तैयार बिजली को २२०/३३ केवी नरवाड उपकेंद्र तक ले जाने के लिए एक स्वतंत्र विद्युत लाइन बिछाई जाएगी।

परियोजना का संचालन और निगरानी इस परियोजना की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग, महावितरण, और जलविद्युत प्रोजेक्ट के मुख्य अभियंता समन्वय अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

इसके अलावा, जलगांव जिले में वरखेडे-लोंढे बैराज मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए १,२७५.७८ करोड़ रुपये के बजट को भी मंजूरी दी गई है।

उत्कृष्ट वक्तृत्व से न्याय व्यवस्था में सफलता की गारंटी-राजेंद्र बावके

कॉ. बापूसाहेब भापकर वकृत्व स्पर्धा का समापन, श्री.नामदेवराव परजणे पाटील लॉ कॉलेज, कोपरगांव को प्रथम स्थान

अहमदनगर (समीर मनियार):

वक्तृत्व एक कला है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकता है। न्याय प्रणाली और तर्क-वितर्क में भी वक्तृत्व कला अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह बात लाल निशाण पक्ष के सदस्य सचिव राजेंद्र बावके ने न्यू लॉ कॉलेज, अहमदनगर द्वारा आयोजित १८वीं कॉ. बापूसाहेब भापकर अंतरमहाविद्यालयीन राज्य स्तरीय वक्तृत्व स्पर्धा के समापन समारोह में कही।

इस अवसर पर संस्थान के सचिव एडवोकेट विश्वासराव आठरे, उपाध्यक्ष डॉ. विवेक भापकर, प्राचार्य डॉ. एम. एम. तांबे, प्रा. डॉ. रामेश्वर दुसुंगे, किसान नेता चंद्रभान धनवत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वक्तृत्व स्पर्धा अच्छे वकील बनाने की पहली सीढ़ी

बावके ने आगे कहा,

वक्तृत्व स्पर्धा अच्छे वकीलों को तैयार करने की पहली सीढ़ी है। इस स्पर्धा में विभिन्न विषयों पर आधारित प्रतियोगिता से बौद्धिक क्षमता का विकास होता है।

संस्थान के सचिव एडवोकेट आठरे ने कहा,

बापूसाहेब भापकर ने समाज को जो विचार दिए, उन्हें आगे बढ़ाने की शक्ति इस स्पर्धा के माध्यम से विद्यार्थियों में विकसित होनी चाहिए। समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की भावना युवा पीढ़ी में आनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा,

सरकार और नियामक संस्थाओं को केवल व्यावसायिक योग्यता ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों की भी जांच करनी चाहिए, क्योंकि कानून व्यवसाय में चरित्र और ईमानदारी अत्यंत आवश्यक हैं।

स्पर्धा में २५ महाविद्यालयों की भागीदारी

कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्राचार्य एम. एम. तांबे ने दिया। उन्होंने बताया कि यह स्पर्धा लगातार १८ वर्षों से आयोजित की जा रही है और इस बार महाराष्ट्र के २५ महाविद्यालयों ने इसमें भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रतियोगियों और परीक्षकों ने अपने विचार साझा किए। अतिथि परिचय प्रा. डी. बी. मोरे ने किया, जबकि पुरस्कार घोषणा प्रा. डॉ. रामेश्वर दुसुंगे ने की।

स्पर्धा के परीक्षक एवं आयोजन समिति

इस वर्ष प्रतियोगिता के परीक्षक प्रा. डॉ. मच्छिंद्र मालुंजकर और प्रा. डॉ. आर. जे. जाधव थे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए प्रा. आर. डी. भवाळ, प्रा. अतुल म्हस्के, डॉ. अतुल मोरे, प्रा. अनुराधा मते, प्रा. विद्या सांगळे, अधीक्षक हेम कदम एवं अन्य शिक्षक-कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का संचालन प्रा. प्रियंका खुळे कांडेकर ने किया और आभार प्रा. डॉ. बी. डी. पांढरे ने व्यक्त किया।

स्पर्धा का परिणाम

प्रथम पुरस्कार:

पुरस्कार राशि: ७,००१/-

प्रायोजक: डॉ. विवेक भापकर

विजेता महाविद्यालय: श्री. नामदेवराव परजणे पाटील लॉ कॉलेज, कोपरगांव

सांगळे अश्विनी बाळकृष्ण

राशिनकर नम्रता शंकरराव

द्वितीय पुरस्कार:

पुरस्कार राशि: ५,००१/-

प्रायोजक: रामचंद्रंजी दरे, अ.जि.म.वि.प्र. समाज

विजेता महाविद्यालय: श्री. ओंकारनाथ मालपाणी लॉ कॉलेज, संगमनेर

बोडखे आकाश वसंत

गायकर सार्थक रावसाहेब

तृतीय पुरस्कार:

पुरस्कार राशि: ४,००१/-

प्रायोजक: प्रा. डॉ. एम. एम. तांबे

विजेता महाविद्यालय: अहमदनगर होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज, अहमदनगर

वनवे आदित्य महादेव

चकणे रेणुका गणेश

चतुर्थ पुरस्कार:

पुरस्कार राशि: १,५०१/- (दो विजेताओं को समान रूप से वितरित)

प्रायोजक: प्रा. डॉ. आर. बी. दुसुंगे

विजेता छात्र:

बत्तीन मानसी सचिन (रेसिडेन्शियल ज्यूनियर कॉलेज, अहमदनगर)

यादव स्नेहल ज्योतीराम (वसंतराव पवार लॉ कॉलेज, बारामती)

प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर सभी विजेता और प्रतिभागी विद्यार्थियों ने महाविद्यालय और आयोजकों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

अल-हुदा उर्दू हाई स्कूल बीड़ में कक्षा १० के छात्रों को दी गई विदाई

बीड़, १८ फरवरी: (संवाददाता)

नूर एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित अल-हुदा उर्दू हाई स्कूल, शहंशाह नगर, बारशी रोड, बीड़ में इस वर्ष कक्षा १० के छात्रों और छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राहत अर्बन को-ऑपरेटिव सोसायटी, बीड़ के मैनेजर शेख अयूब, स्कूल के पूर्व छात्र और युवा नेता मोहम्मद अज़हर उर्फ गोलू, राष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस में अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शेख मुजीब शाह, सफल व्यवसायी शुएब पटेल, अल-हुदा उर्दू प्राइमरी स्कूल के प्रधानाचार्य मुमिन जफर मसूद विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. सिराज खान आरज़ू ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत और मुख्य बातें

कार्यक्रम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरआन से हुई। इसके बाद सहायक शिक्षक शेख मोईज़ुद्दीन ने स्वागत भाषण देते हुए समारोह के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। कक्षा ९ के छात्रों ने अपने वरिष्ठ साथियों के लिए शुभकामनाएं प्रस्तुत कीं, जबकि कक्षा १० के छात्रों ने अपने शैक्षणिक अनुभव और शिक्षकों के योगदान को सराहा। उन्होंने समाज में एक सफल और जिम्मेदार नागरिक बनने के अपने संकल्प को भी व्यक्त किया।

अतिथियों के मार्गदर्शन और सम्मान समारोह

विशेष अतिथियों मोहम्मद अज़हर, मुजीब शाह और शुएब पटेल ने छात्रों को परीक्षा और भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। अपने समापन भाषण में प्रधानाचार्य डॉ. सिराज खान आरज़ू ने छात्रों को आगामी परीक्षा और जीवन में सफलता के लिए व्यापक मार्गदर्शन दिया और स्कूल एवं सोसायटी की ओर से शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन छात्राएं ज़ैनब बागवान और हरीन इनामदार ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम की सफलता में शिक्षकों और स्टाफ का योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में सांस्कृतिक विभाग के प्रभारी सहायक शिक्षक शेख अब्दुल हमीद, सैयद रहबर, शेख मोईज़ुद्दीन, मोहम्मद रफीक और गैर-शिक्षकीय स्टाफ शेख रफीक, शेख मसूद भाई, यूनुस खान सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया।

गुरुवार को कृषि विभाग के घोटाले का करेंगे खुलासा-विधायक सुरेश धस

मुंबई, १८ फरवरी (प्रतिनिधि):

बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की निर्मम हत्या के दोषियों को फांसी की सजा दिलाने की जिम्मेदारी मैंने ली है और देशमुख परिवार एवं ग्रामवासियों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

इसके साथ ही, २० फरवरी को मैं एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए कृषि विभाग में हुए अब तक के सबसे बड़े आर्थिक घोटाले का पर्दाफाश करूंगा। यह जानकारी विधायक सुरेश धस ने मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। पुलिस विभाग की कार्यशैली पर सवाल विधायक धस ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला को कई विषयों पर पत्र लिखकर मांग की है। इनमें संतोष देशमुख हत्या मामले की जांच विशेष टीम द्वारा कराने और इसमें साइबर विशेषज्ञ अधिकारियों को शामिल करने की मांग प्रमुख है।

उन्होंने यह भी कहा कि परली के महादेव मुंडे हत्याकांड को १५ महीने बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हत्या का मामला परली शहर पुलिस थाने में दर्ज होने के बावजूद, तब से लेकर अब तक जांच में देरी क्यों हुई?

पुलिस अधिकारियों की जांच की मांग

विधायक धस ने पुलिस विभाग में लापरवाही को लेकर कई सवाल उठाए और मांग की कि:

परली पुलिस थाने के तत्कालीन जांच अधिकारी, पुलिस उपनिरीक्षक, पुलिस निरीक्षक, अंबाजोगाई के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और तत्कालीन बीड पुलिस अधीक्षक की जांच की जाए।

इन सभी अधिकारियों से यह पूछा जाए कि उन्होंने पिछले १५ महीनों में इस हत्या की जांच में देरी क्यों की? करुणा धनंजय मुंडे के खिलाफ साजिश रचकर उन पर पिस्तौल रखने का मामला दर्ज करने वाले पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और राजनीतिक व्यक्तियों की भी जांच की जाए। एक असहाय महिला को अन्यायपूर्ण तरीके से जेल भेजने के मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए। मानवता के नाते धनंजय मुंडे से की मुलाकात, बदनामी की साजिश का आरोप धस ने कहा कि बीमार मंत्री धनंजय मुंडे से उन्होंने केवल मानवीय आधार पर मुलाकात की थी। लेकिन अब इस मुलाकात को एक दूसरी घटना से जोड़कर उनके खिलाफ बदनाम करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि एक मीडिया प्रतिनिधि को मोहरा बनाकर कुछ लोगों ने उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा है।

धस ने अंत में कहा, जब सही समय आएगा, तो इस साजिश में शामिल कंपनी और व्यक्तियों के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने कहा, कर नहीं, तो डर नहीं!

अब रोने का नहीं, लड़ने का समय है, कांग्रेस के विचार हर घर तक पहुंचाकर सत्ता में लाएंगे - नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ

मुंबई, १८ फरवरी (विशेष प्रतिनिधि):

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने मंगलवार को पदभार ग्रहण करते हुए राज्य में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और २०२४ के चुनावों में कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा, अब रोने का नहीं, बल्कि लड़ने का समय है। कांग्रेस के विचार हर घर तक पहुंचाने होंगे और सत्ता में वापसी करनी होगी।

उन्होंने यह बयान मुंबई के बिड़ला मातोश्री सभागार में आयोजित कार्यक्रम में दिया। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रमेश चेन्नितला, वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण, सुशीलकुमार शिंदे, बाळासाहेब थोरात, विधायक विजय वडेट्टीवार, सांसद वर्षा गायकवाड़, नसीम खान, चंद्रकांत हंडोरे, शिवाजीराव मोघे, अमित देशमुख, यशोमती ठाकुर, अस्लम शेख, कुणाल पाटील और अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

विधानसभा में हार, लेकिन कांग्रेस खत्म नहीं होगी - कांग्रेस नेताओं की हुंकार

इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नितला ने कहा,

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की और महाराष्ट्र में सबसे बड़ा दल बनकर उभरी, लेकिन विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली। विपक्ष ने वोटों की चोरी कर सत्ता हासिल की। अब कांग्रेस को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा और स्थानीय निकाय चुनावों में अधिक से अधिक सीटें जीतनी होंगी।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने अपने भाषण की शुरुआत प्रसिद्ध शेर से की:

सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजुए कातिल में है।

उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा, भाजपा खुद सक्षम नहीं है, इसलिए उसने शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस को तोड़ा। कांग्रेस नेताओं को भी तोड़कर भाजपा में शामिल कराया। लेकिन हमें संगठन को फिर से मजबूत करना है, कार्यकर्ताओं को संगठित कर एक नई लड़ाई लड़नी है।

विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा, २०२४ के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की, लेकिन विधानसभा चुनाव में हमें हार का सामना करना पड़ा। अब मेहनत से फिर से कांग्रेस को मजबूत करना होगा। संख्या बल मायने नहीं रखता, लड़ने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए। कांग्रेस कभी खत्म नहीं होगी।

वरिष्ठ नेता बाळासाहेब थोरात ने कहा, हर्षवर्धन सपकाळ के नेतृत्व में कांग्रेस का एक नया युग शुरू हो रहा है। संविधान और गांधीवादी विचारधारा के आधार पर कांग्रेस को फिर से खड़ा करेंगे। गांव-गांव में शिविर आयोजित कर कांग्रेस के विचारों का प्रचार करेंगे।

भाजपा पर निशाना, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मजबूत करने का संकल्प

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा,

पिछले चार वर्षों में संगठन को मजबूत करने के लिए मैंने पूरी मेहनत की। कई उपचुनावों में कांग्रेस को जीत दिलाई। विधानसभा चुनाव में हमें ८०-८५ सीटें मिलनी चाहिए थीं, लेकिन भाजपा ने वोटों की हेराफेरी कर सत्ता हासिल कर ली।

उन्होंने आगे कहा,

ईवीएम पर हमने कोई सवाल नहीं उठाया, लेकिन मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ा, इसका जवाब चुनाव आयोग भी नहीं दे सका। हमारे पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई लड़ी, अब हमें लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ना होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, सुशीलकुमार शिंदे, माजी मंत्री अमित देशमुख, नसीम खान और वर्षा गायकवाड़ ने भी इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया।

संघर्ष की शुरुआत - हर्षवर्धन सपकाळ ने किए विशेष दौरे

पदभार ग्रहण करने से पहले हर्षवर्धन सपकाळ ने छत्रपति शिवाजी महाराज के पुतले को नमन किया, हुतात्मा स्मारक, मणिभवन, चैत्यभूमि और सिद्धिविनायक मंदिर में जाकर आशीर्वाद लिया।

उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई के हथियार बदल गए हैं, अब हमें सड़कों पर उतरकर संघर्ष करना होगा। हम कांग्रेस को फिर से महाराष्ट्र में मजबूत कर सत्ता में लाएंगे।

वो तथाकथित ओपन स्पेस प्रकरण मे सिओ साहब एॅक्शन मोड पर!

वो बहुचर्चित ऐन ऐ लेआऊ के ओनर को दिया! नोटीस

सात दिन मे मांगा खुलासा

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर) शहर के औंढा रोड पर बहुचर्चित सर्वे नंबर ९४ के ऐन ऐ लेआऊ प्रकरणं मे कई शिकायते नगर परिषद के मुख्याधिकारी से लेकर जिल्हा नगर विकास विभाग, जिल्हाधिकारी, नगर विकास मंत्रालय, तथा मुख्यमंत्री मा देवेंद्र फडणवीस साहब तक की गई थी! मगर कही से भी ठोस कारवाई के संकेत दिखाई नहीं दे रहे थे! क्यु के कही ना कही किसी ना किसी अधिकारी का आशिर्वाद वो ऐन ऐ लेआऊ प्लॉटींग ओनर रहा! जिस के कारण अभी तक तक्रारो की कोई दखल नहीं हो रही थी! मगर जब से कर्तव्य दक्ष परभणी महानगर पालिका के उपायुक्त श्री दंडवते साहब ने जिंतूर नगर परिषद के प्रभारी मुख्याधिकारी का पदभार लिये हैं! तब से जिंतूर नगर परिषद मे चल रहे सभी अनागोंदी कारभार पर अंकुश लगा है! जिस विभाग मे संबंधित जितने भी तक्रार दाखल थी! सब की फाईल देख कर निपटारा कर ने को प्राथमिकता दी हैं! सब से अधिक नगर परिषद के नगर रचना विभाग के तक्रारी अधिक दिखाई दिये! सब से पहले नगर रचना विभाग की झाड झडती चालू कर दी हैं! बहुचर्चित सर्वे नंबर९४ मे ऐन ऐ लेआऊ प्रकरणं मे ओपन स्पेस हस्तांतरित करने का मुदा था! और साथ ही वो ऐन ऐ लेआऊट को मंजुरी देणे मे नियमो का उल्लंघन कर मंजूर किया गया था! वहा खास कर भौतिक सुविधा पक्की सडके,लाईट,नालीया,गटार, संरक्षण भिंत, पाणी पाईप लाईन स्ट्रीट लाईट, ओपन स्पेस आदी कुछ भी उपलब्ध नही हैं! और खास बात ये रही के वो ऐन ऐ लेआऊट मे जितने प्लॉट थे! सब के सब खरेदी खत कर के बिक्री हो गये हैं! वहा वास्तव में ओपन स्पेस ही नहीं छोडा गया! सिर्फ कागदोपत्री ओपन स्पेस नकाशे मे बताया गया था! जिस मे वो ऐन ऐ लेआऊट अभिन्यास मंजूर करनेवाले तात्कालीन मुख्याधिकारी की मिलीभगत रही थी? जिस के कारण चौकशी मे बांधा आ रहा था! क्यु के जिस तात्कालीन मुख्याधिकारी ने वो ऐन ऐ लेआऊट अभिन्यास को मंजुरी दी थी! बाद में वो ही जिल्हा नगर विकास विभाग का प्रमुख बना! वो ही चौकशी अधिकारी होने से वो प्रकरणं मे कोई कारवाई नहीं हो रही थी! मगर जिंतूर नगर परिषद को कर्तव्य दक्ष प्रभारी मुख्याधिकारी दंडवते साहब ने पदभार सभालते ही अन् अधिकृत कामो की चौकशी की जा रही हैं! अब देखना हैं! वो तथाकथित ऐन ऐ लेआऊट के ओपन स्पेस को बचाने के लिये! ओनर को कौन सा आका आगे आता हैं!

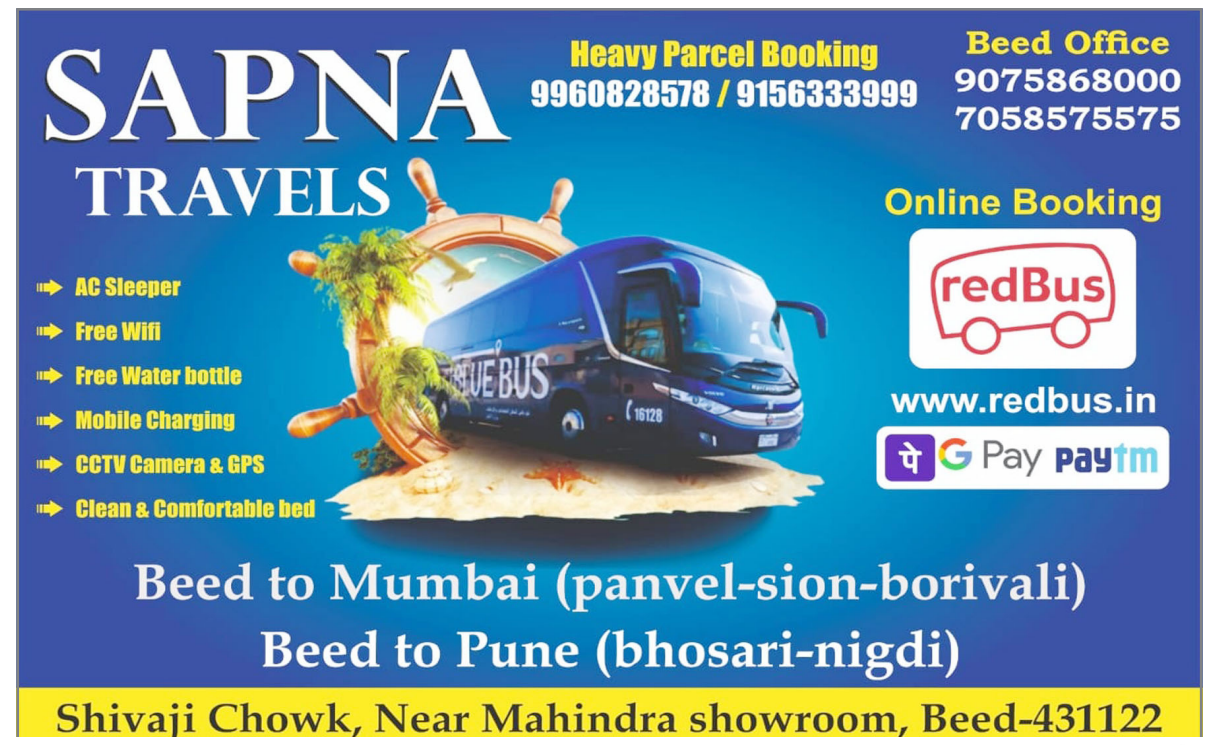

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com